कोहका साकेत नगर में जाम सिवरेज पानी को निकालने के लिए जेसीबी लगाया गया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में कोहका भेलवा तालाब के नीचे भूमाफियों के मिली भगत से अवैध साकेत नगर कालोनी बस गई है। उस क्षेत्र में कोहका बस्ती के निस्तारी का पानी वास्तविक ढाल होने के कारण बहते रहता है। पूर्व में वहीं पर नाली का निर्माण हुआ था, अवैध भूमाफियों द्वारा साकेत नगर कालोनी के पीछे के भूखण्डो को सस्ते दरों पर बेच दिया गया है। कुछ लोगों द्वारा नगर निगम भिलाई से भवन अनुज्ञा की अनुमति लिए बिना मकान बना लिए है। शुरू में कम मकान थे, पानी निकासी दुसरे खाली प्लाट में हो जाता था। अब लाईन से मकान बन जाने के कारण पानी निकासी की समस्या हो रही है, आपस में विवाद हो रहा है। कुछ लोगो द्वारा मलवा डालकर नाली को बंद कर दिया गया है। इसकी शिकायत मिलने पर आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त अजय सिंह राजपूत, अभियंता बसंत साहू, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी को लेकर मौके पर निरीक्षण किए। लोगो की मांग पर जेसीबी लगाकर नाली को साफ करवाया जा रहा है। वहां पर पानी का नियमित निकासी नहीं होने के कारण आस–पास के घरो में पानी भर रहा है। अफसोस की बात है परेशानी में रहते हुए भी लोग अभी भी मकान बना रहे है। जबकि नगर निगम भिलाई द्वारा बार–बार निर्देश जारी किया जा रहा हैं कि प्लाट क्रय करते समय निगम के भवन अनुज्ञा शाखा, पटवारी कार्यालय, टाउन एण्ड कंट्री प्लानिंग से संपर्क करने के बाद ही प्लाट क्रय करें और जब यह ज्ञात हो जाए कि प्लाट और भवन अनुज्ञा प्राप्त करके मकान निर्माण किया जा सकता है, तभी क्रय करें अन्यथा साकेत नगर कालोनी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। भूमाफिया अपने–अपने स्तर से छोटे–छोटे टूकड़े किसानो से भूखण्ड खरीद कर अपने हिसाब से रोड, नाली काटकर दिखा देते है। उनका नक्शा भी अपने हिसाब से बनाया हुआ रहता है। दुसरा विक्रेता अपना अलग नक्शा बनाकर क्रेताओ को अपने जाल में फसा लेते है। जो प्लाट खरीदता है वह सोचता है यह मेरा प्लाट है उसको बना लेता हूँ। यह नहीं सोचता है कि हमारे घर के पानी की निकासी रोड, सड़क, नाली, बिजली व्यवस्था किस प्रकार से होगा। इसके लिए बाद में उसको परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई जगहो पर तो नाली के उपर मलवा पाटकर मकान भी बना लिए है। नगर निगम भिलाई द्वारा यथा संभव जो प्रयास हो सकता है, जल निकासी का प्रयास किया जा रहा है। नाली को आगे बढ़ाने पर बड़े–बड़े मकान तोड़ने पड़ेगे तक जाकर नाली से पानी निकासी संभव हो पाएगा, इसमें सबके सहयोग की आवश्यकता है।